

13.2.25

पत्रावली आठ पेजी में ली गई। चक्र अखिलेश्वर पाकी
 सुनी गई। तहसीलदार हनुमानगढ द्वारा प्रेषित मोका रिपोर्ट
 डिप्लोमा 13.1.25 द्वारा का अवयपन किया जिसमें
 प्रश्नगत रकम चक 20 NDR खाता सं. 101 प. नं. 131/1
 मु. नं. 1 कि. नं. 1 ता. 10 कुल 2.530 ई. दर्प प्री-55
 पूर्व का शराजी काशतकार दर्प राजस्व रिपोर्ट
 उपर खराब प्रेस घोषित ई चुका ई। जहाँ
 में दर्प उपर खराब को लातेदारी अधिकार
 दिए की जाने तहसीलदार हनुमानगढ द्वारा
 अडुशेषा की गई। पत्रावली का अवबोक्न
 किया व उपखण्ड दस्तावेजों का गहराई व अक्को
 किया। तहसीलदार द्वारा प्रेषित लातेदारी प्रत्येक
 का अवबोक्न किया। राजस्थान काशतकारी अधि.
 1955 की द्वारा 15 AAA में वर्जित प्रावधानों
 के अन्तर्गत चक 20 NDR खाता सं. 101/84 में
 दर्प प. नं. 131/350 मु. नं. 4 कि. नं. 1 ता. 10 कुल
 शराजी 2.530 ई. कमाण्ड भूति को मूल आवंटी
 दरदारा पुत्र विला को लातेदारी अधिकारी
 प्रदान किए जाते हैं इसी अनुसार राजस्व
 रिपोर्ट में अक्न हो। लातेदारी आदेश अलग ले
 जारी हो। पालनार्थ आदेश तहसीलदार हनुमानगढ
 को भिजवाया जाये। आदेश प्रुषे न्यायालय में
 सुनाया गया। पत्रावली नंबर ले कम की जाय
 द्वाविष्य दफला की जाती है।

महसयक कलक्टर
 एवं उपखण्ड अधिकारी
 हनुमानगढ